

1-6-18

पञ्जावली डाक ऑफिस कोर्ट हांसलसर में पेश हुई। पुनः
 में लक्ष्मीलक्षर उदयपुरवाली से भी का रिपोर्ट प्राप्त की गई।
 पञ्जावली का आवलोकन किया गया। ग्राम हांसलसर की
 सरहद में स्थित ग्राम ख. नं. 147 प्राचीन एवं ग्राम सरहदों
 के नाम से दर्ज मिर्काई है। प्राचीन स्वामि स्वामि स्वामि
 में आने वाले हुए अर्थात् नं. 13 लगायत 17 की स्वामि
 ग्राम ख. नं. 149 की दक्षिणी सीमा के सहारे सहारे रास्ता
 चालते हैं। रिपोर्ट लक्ष्मीलक्षर उदयपुरवाली दि. 1-6-18
 के अनुसार प्राचीन स्वामि स्वामि ख. नं. 147
 में आने वाले के लिए भी कोई रास्ता चालू नहीं है।
 ग्राम ख. नं. 149 की दक्षिणी सीमा के सहारे सहारे कले
 शुद्ध रास्ते की लम्बाई 56 मीटर होती है जो सबसे कम
 दूरी है। इस प्रकार प्राचीन स्वामि स्वामि रास्ते में मात्र
 168 व.मी. ग्राम ही समाप्त होनी है।

उक्त विवेचन के प्राचीन स्वामि स्वामि अ. धारा 251 (क)
 साबित होने के स्वीकार किया जाना उचित व समाप्त
 उचित होगा है।

आदेश

प्राचीन स्वामि स्वामि अ. धारा 251 (क) स. का. अ. साबित होने के
 स्वीकार किया जा रहा है। प्राचीन स्वामि स्वामि ख. नं.
 147 ग्राम हांसलसर में आने वाले हुए कला शुद्ध रास्ते
 से अर्थात् नं. 13 लगायत 17 की स्वामि स्वामि ख. नं. 149
 की दक्षिण सीमा के सहारे - 2 फुट 4 मीटर चौड़ा रास्ता
 कागज किया जाता है। प्राचीन स्वामि स्वामि में समाप्त होने
 वाली स्वामि के बड़े उतनी स्वामि अर्थात् नं. 13 को देवेगे।
 लक्ष्मीलक्षर उदयपुरवाली रास्ते का माप जोर
 करें तथा उक्त रास्ते को राजकीय रास्ता दर्ज मिर्काई करें
 तथा नक्शा इसमें त्रुटि करें तथा रास्ता तत्काल चालू
 करवावे। पञ्जावली हांसलसर से क्व नक्शे के कम हो तथा
 बाह्य लक्ष्मीलक्षर दारिद्र्य दृष्ट हो।

अधिकारी
 उदयपुरवाली